लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक : 1- 15 नवंबर, 2023 www.haryanasamvad.gov.in अंक - 77

"समस्त प्रगति का श्रेय उन लोगों को जाता है जिन्होंने प्रचलित विचारधाराओं के विरुद्ध कदम उठाए।" : अडलाई स्टीवेंसन

पदक विजेताओं पर धन वर्षा 3

म्हारा हरियाणा म्हारी संस्कृति 7

लोक संस्कृति का प्रगतिकाल 8

जय हरियाणा-जय हरियाणा

हरियाणा-दिवस की सभी हरियाणावासियों को हार्दिक बधाई।

मनोहर लाल, मुख्यमंत्री

जब मुख्यमंत्री-आवास का नाम 'कबीर कुटीर' रखा था तभी से संकल्प और भी दृढ़ हो गया था कि निजी रूप अपने राजनैतिक जीवन में इस चादर पर कोई दाग नहीं लगने दूंगा।

वर्ष 1966 में यह हमारे इस प्रदेश का गठन हुआ था, तब भी बाल्यावस्था में था, मगर तब भी एक बात थोड़ी-थोड़ी महसूस होती थी कि मेरा यह प्रदेश सडक़ों, पेयजल, सिंचाई व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि बुनियादी आवश्यकताओं के मामलों में बहुत पिछड़ा हुआ है।

अब 57 वर्ष की यात्रा के बाद स्थिति यह है कि हमारा प्रदेश देश के विकसित राज्यों की प्रथम पंक्ति में है और मुझे यह कहने में भी कोई संकोच नहीं कि सभी ने अपनी-अपनी सोच एवं सामर्थ्य में इसमें योगदान डाला है। गर्व इस बात पर भी होता है कि वर्तमान सरकार ने गत नौ वर्ष की अवधि में अपनी ज़िम्मेदारियों को ज्यादा गंभीरता से लिया है। 9 वर्ष पूर्व जब सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया तब भावी भूमिका स्पष्ट नहीं थी। केवल सपने थे और संकल्प थे राज्य हित में कुछ कर गुज़रने की। एक छोटे किसान-परिवार की पृष्ठभूमि के कारण मैं गांवों व कृषि के क्षेत्र में होने वाले शोषण से बखूबी परिचित था। शहरी जिंदगी के मध्य भी निम्न मध्यम वर्ग, पिछड़ा वर्ग और मध्यम वर्ग मेरे चिंतन के दायरे में बने रहते।

पहली बार जब सत्ता के गलियारे में प्रवेश का अवसर मिला, तभी यह संकल्प ले लिया था कि अब 'शोषण' का दौर नहीं चलेगा। उसके लिए यह भी आवश्यक था कि सामान्यजन व सत्ता के गलियारे के मध्य प्रशासनिक बाधाएं व दीवारें समाप्त की जाएं।

राजनैतिक चुनौतियों से यद्यपि पं. दीनदयाल उपाध्याय के राजनैतिक दर्शन व आर्थिक दर्शन से वर्षों पहल ही आत्मसात हो चुका था। उस दर्शन को सामान्यजन के जीवन में उतारने का अब अवसर मिला तो ठान लिया था कि कोरे आदर्शों के शंखनाद तक बात सीमित नहीं रखी जाएगी।

सूचना क्रांति व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नए-नए क्रांतिकारी बदलाव आ चुके थे। एक तरफ लगता था कि आर्थिक व सामाजिक विषमताओं से जूझते हुए सामान्यजन को नई तकनीकों से कैसे जोड़ा जाएगा। मगर जब बात उन चिंतन को व्यावहारिक धरातल पर उतरने की आई तो लगा कि असंभव तो कुछ भी नहीं था। अतीत में संकल्पों का भी अभाव था और संस्कारों का भी। मगर मेरे संगठन ने मुझे ये दोनों प्रचुर मात्रा में दिए थे।

परिणाम ज्यों-ज्यों सामने आते गए विकास की खिड़कियां खुलती गईं। उदाहरण के रूप में 'सीएम विंडो' के प्रयोग को ही लें। यह प्रयोग 2016 में आरंभ किया गया था। मूल रूप से यह प्रयोग पं. दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांत पर ही आधारित था। अब निष्कर्ष साक्षी है कि इस अवधि में 'सीएम विंडो' के माध्यम से दस लाख से अधिक शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया। अब यह प्रणाली चौपालों, दरवाजों और सभाओं में इस हद तक चर्चा का विषय बन गई है कि लोग निर्णायक कार्रवाई करने के लिए मुक्त कंठ से सराहना करते दिखते हैं।

सरकारी धन का दुरुपयोग करने वालों ने ग़बन की गई राशि को ब्याज सहित जमा कर खुद को सुधारना शुरू कर दिया है जो एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यहां तक कि सरकारी कर्मचारी, अधिकारी और गांव के सरपंच भी सतर्क हो गए हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनके खिलाफ 'सीएम विंडो' पर कोई शिकायत दर्ज न हो।

पिछले नौ वर्षों में हरियाणा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखा गया है क्योंकि सरकारी विभागों ने 'आनलाइन सिस्टम' को अपनाया है। यहां तक कि अपने खेतों की सिंचाई में लगे किसान भी हर शनिवार शाम पांच से छह बजे तक 'मुख्यमंत्री के साप्ताहिक ऑडियो संवाद (सीएम की विशेष चर्चा) से जुडऩे लगे हैं। अब लोगों ने महसूस किया है कि 'सीएम विंडो' और 'ट्विटर हैंडल' के माध्यम से वे बिना किसी मध्यस्थ या झिझक के, अपने विचारों और शिकायतों को सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा सकते हैं। हरियाणा सिविल सचिवालय के ही अनुभवी एवं समर्पित लोग 'सीएम विंडो' पर शिकायत समाधान प्रि या की लगातार निगरानी करते हैं और शिकायतकर्ताओं को उनकी शिकायतों की स्थिति के बारे में नियमित 'अपडेट' प्रदान करते हैं। 'सीएम विंडो' या 'ट्विटर हैंडल' पर शिकायत अपलोड करने पर शिकायतकर्ता को अगले दिन उनके मोबाइल फ़ोन पर अधिसूचना भी प्राप्त होती है जिसमें उनकी शिकायत के पंजीकरण की पुष्टि होती है। इसके अलावा शिकायत को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को अग्रेषित कर त्वरित कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाती है।

G20 भारत 2023 INDIA

जय हो/जय हो

जय ज्योतिश्वर, जय कुरुक्षेत्र
जय सरस्वती, जय जमना तट
ऋग्वेद ऋचाओं की जय हो
गीता-अध्यायों की जय हो
जय हो हरियाणा की जय हो/जय हो
जय शस्य श्यामला वीरभूमि
असि मसि के शूरों की धरती
जय मेवाती सरदारों की
जय संत-धरा तेरी जय हो
जय हो हरियाणा की जय हो/जय हो
जय रोहिताश्व की जन्मस्थली
जय कपिस्थली, जय स्थानेश्वर
जय वेद व्यास, जय बाण भट्ट
जय सूरदास तेरी जय हो
जय हो हरियाणा की जय हो/जय हो
जय द्रोण गुरु की ज्ञान स्थली
जय हो फ़रीद की तपस्थली
जय अग्रसेन की कर्मस्थली
जय हेमचंद्र की युद्धस्थली
जय हो हरियाणा की जय हो/जय हो
जय वीर जवानों की धरती
परिश्रमी किसानों की धरती
जय सांगी, संत, फकीरों की
उद्यमी युवाओं की जय हो
जय हो हरियाणा की जय हो/जय हो

- डॉ. चन्द्र त्रिखा

मेरी माटी-मेरा देश

देशभक्तों के संजोए सपनों को आगे बढ़ा रहे प्रधानमंत्री : मनोहर लाल

वर्ष 2022 से 2047 तक देश में आजादी का अमृतकाल मनाया जा रहा है जिसका उद्देश्य देशवासियों में देशभक्ति की भावना जागृत करना है। इस अमृतकाल में देश की आजादी के लाखों वीर बलिदानियों को याद किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आजादी के बाद का जो सपना संजोया गया था उसी के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगे बढ़ रहे हैं। 'हर घर तिरंगा' के बाद अब 'मेरी माटी-मेरा देश' कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना जागृत की जा रही है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम में उन्होंने उपस्थित जनसमूह को पंच प्रण की शपथ दिलवाई। मुख्यमंत्री ने एक विख्यात गीत की पंक्ति - 'आओ बच्चों तुम्हे दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की, इस माटी से तिलक करो, ये धरती है बलिदान की' भी दोहराई।

उन्होंने कहा कि प्रदेशभर के कोने-कोने से 242 कलश में हरियाणा की पवित्र माटी को स्वयंसेवकों द्वारा एकत्र किया गया है जिसे दिल्ली ले जाया जाएगा। पूरे देशभर से 75000 कलश देश की पवित्र माटी को लेकर दिल्ली पहुंचेंगे जहां अमृतकाल के स्मारक के रूप में 'अमृत वाटिका' का निर्माण होगा। कर्तव्य पथ के पेड़ों में भी इस माटी को डाला जाएगा जो देश की एकता व अखण्डता का प्रतीक होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की माटी के प्रति हर किसी का अपार लगाव है। किसान भी हल चलाने से पहले धरती माता से क्षमा मांगता है। पहलवान भी अखाड़े में उतरने से पहले माटी का तिलक लगाते हैं। आमतौर पर हर व्यक्ति सुबह उठते ही धरती माता को प्रणाम करता है।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डा. कमल गुप्ता ने कहा कि हमारे देश की माटी स्वर्ग से भी महान है। स्वामी विवेकानंद का माटी के प्रति प्रेम व लगाव ऐसा था कि उन्होंने विदेश से लौटते ही माटी को गले लगाया था। यह माटी हमारे इतिहास, स्वाभिमान व गौरव का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ0 अमित अग्रवाल ने कहा कि देश आजादी के 75 साल मना रहा है। प्रदेश मे एक साल से लगातार इस संबंध में कार्य म आयोजित किए जा रहे है। हरियाणा वासियों ने पूरे जोश के साथ अमृतकाल को अपनाया है।

संपादकीय

भविष्य की फुलकारी, नई सांझी

सत्ता के गलियारे में गौरवपूर्ण नौ वर्ष हो चुके। अब दसवें वर्ष के कार्यकाल में आने वाली अगली पारी के संकल्पों की फुलकारी बुनी जाएगी और फिर तैयार होगी एक नई सांझी। 2004 से 2023 तक का नौ वर्ष का यह कार्यकाल स्वर्णिम रहा है। इन नौ सालों में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 'हरियाणा एक-हरियाणवी एक' तथा 'सबका साथ-सबका विकास' की नीति पर चलते हुए पूरे प्रदेश का एकसमान सर्वांगीण विकास किया। इन नौ सालों में भाजपा ने अपने चुनाव घोषणा-पत्र के अधिकतर वादे पूरे कर दिए हैं और जो वादे अभी पूरे होने बाकी हैं, उन्हें मुख्यमंत्री जल्दी ही पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

नौ वर्ष पूरे होने के साथ-साथ हरियाणा दिवस भी नए संकल्पों व नई ताज़गी लेकर आया है। एक नवंबर को हरियाणा दिवस है। इन दोनों उपलक्ष्यों में दो नवंबर को जीटी रोड पर कनाल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली रखी गई है। अंत्योदय सम्मेलन के रूप में इस रैली में मुख्यमंत्री मनोहर लाल जहां अपनी नौ साल की सरकार के कार्यकाल का हिसाब-किताब प्रदेश की जनता को देंगे, वहीं भविष्य की योजनाओं की भी जानकारी देंगे। मुख्यमंत्री इस दिन जन कल्याण के कई फैसले ले सकते हैं तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह विकास की नई योजनाओं का लोकार्पण कर सकते हैं।

शिक्षा नीति को सबसे पहले अपने राज्य में लागू किया। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और विस्तार कर प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज की कल्पना को धरातल पर उतारा। अब प्रदेश के 124 स्कूलों को 'पीएमश्री स्कूल योजना' में शामिल किया जा रहा है।

प्रदेश के 124 स्कूलों में सीबीएसई के तहत पढ़ाई होगी। यही नहीं,यहां विद्यार्थियों को निजी स्कूलों की तर्ज पर सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इसमें स्मार्ट क्लास, विद्यार्थियों के बैठने व पढ़ने के लिए बेहतर व्यवस्था, खेल समेत अन्य सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही विद्यार्थी सीबीएसई के तहत हिंदी व अंग्रेजी किसी भी माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे। यह सब उत्साहवर्द्धक हैं।

- डॉ. चन्द्र त्रिखा

पीएम श्री स्कूलों का लोकार्पण

प्रदेश में शुरू किए गए 4000 प्ले वे स्कूल को अब बाल वाटिका स्कूल के नाम से जाना जाएगा। सरकार द्वारा इतने ही और स्कूल भी भविष्य में शुरू किए जाएंगे। बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्रों को भी इन स्कूलों में परिवर्तित किया गया है। प्रदेश में शिक्षा के स्तर में और सुधार के लिए प्रथम चरण में 124 पीएम श्री स्कूलों का नए सत्र से शुभारंभ होगा तथा दूसरे चरण में 128 स्कूलों के शुभारंभ के साथ ही इन स्कूलों की संख्या 252 हो जाएगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर सभागार में हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित पीएम श्री स्कूलों के लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि ये शिक्षा ही है जो युवा पीढ़ी और देश का भाग्य बदलने की ताकत रखती है। देश जिस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है, उसे हासिल करने में शिक्षा की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनकी प्रतिभा के आधार पर आंका जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार, व्यवहार के साथ-साथ अपने इतिहास व संस्कृति की जानकारी होना तथा इनसे लगावा होना भी अनिवार्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई शिक्षा नीति के माध्यम से रोजगारपरक शिक्षा के नए प्रावधान किए हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अध्यापकों से आहवान किया कि वे विद्यार्थियों के स्तर को सुधारने के लिए ज्ञानवर्धक और संस्कार आधारित शिक्षा प्रदान करवाएं। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी कल का अच्छा नागरिक बनें इसके लिए उन्हें अच्छे संस्कार देने के साथ-साथ पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल दिया जाए। अब शिक्षक को तय करना होगा कि बच्चे को किस तकनीक के जरिए आगे बढ़ाया जाए।

शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा अग्रणीः धर्मेंद्र प्रधान

पीएम श्री विद्यालयों के लोकार्पण अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 21 वीं सदी के भारत को नई दिशा देने वाली है और हम उन पलों का हिस्सा बनने जा रहे हैं जो हमारे देश की युवा पीढ़ी के भविष्य निर्माण की नींव रख रहा है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश देश में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पारदर्शी शिक्षक भर्ती, ऑनलाईन ट्रांसफर नीति के सराहनीय कदम उठाए गए हैं। ऑनलाईन ट्रांसफर से 90 प्रतिशत शिक्षक संतुष्ट है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में कौशल व तकनीक आधारित शिक्षा तथा मातृ भाषा को बढ़ावा दिया गया है।

अंबाला में घरेलू एयरपोर्ट का शिलान्यास

मां अंबा के नाम से बसे अंबाला के निवासियों को मनोहर सौगात मिली है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अंबाला के पहले घरेलू एयरपोर्ट का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज और सांसद कार्तिकेय शर्मा भी मौजूद रहे।

टर्मिनल 20 एकड़ में बनाया जाएगा, जिस पर लगभग साढ़े 20 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह टर्मिनल बनने के बाद हवाई गतिविधियां शुरू होने में बहुत ज़्यादा समय नहीं लगेगा, क्योंकि रन-वे और बाकी व्यवस्था पहले से बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अभी तक अंबाला का एयरफोर्स का ये स्टेशन सिविल एयरपोर्ट नहीं था। लेकिन जब यह विचार आया कि यहां सिविल एयरपोर्ट बनेगा, तो इसका लाभ शायद बाकी जितने छोटे हवाई अड्डे हैं, उनसे कई ज़्यादा हो पाएगा।

उड़ान योजना का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य था कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके। इस उड़ान योजना का लाभ सबसे पहले हम अंबाला से ही उठा पाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने उड़ान योजना के तहत रूट्स के लिए आवेदन किया हुआ है। जल्द ही हमें अनुमति मिल जाएगी। देहरादून, लखनऊ, अमृतसर, जयपुर, शिमला जैसे रूट में से कुछ रूट पर तुरंत स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। इससे अंबाला और इसके आस-पास के जिलों के लोगों को बहुत बड़ी सुविधा होने वाली है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में हवाई दृष्टि से यद्यपि प्रारंभ में एक भी एयरपोर्ट ऐसा नहीं था जो हरियाणा की धरती पर हो। परंतु हम धीरे-धीरे एविएशन सेक्टर में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम का विकास दिल्ली हवाई अड्डे की नजदीकी के कारण ही संभव हुआ है। इसी सोच के साथ हिसार में एक बड़ा एयरपोर्ट विकसित करने की सरकार ने योजना बनाई है। इसी प्रकार, जेवर एयरपोर्ट का भी लाभ हमको मिलेगा। सबसे अधिक लाभ फरीदाबाद जिला को मिलेगी और वहां भी प्रगति होगी। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ का हवाई अड्डा, जिसमें 50 प्रतिशत हिस्सा हरियाणा का भी है, उसका उपयोग भी हम करते हैं, लेकिन उसका प्रभाव क्षेत्र पंचकूला से लेकर अंबाला तक ही है। लेकिन चंडीगढ़ के लिए भी अंबाला का ये एयरपोर्ट सहयोग का काम करेगा।

अंबाला एयरपोर्ट बनने से इस क्षेत्र का विकास

गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने अंबाला एयरपोर्ट के शिलान्यास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्ति करते हुए कहा कि इससे अंबाला का और तेजी से विकास होगा। उन्होंने कहा कि एक समय था जब बड़े शहरों में ही एयरपोर्ट हुआ करते थे और बड़े लोगों के लिए ही यह व्यवस्था हुआ करती थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उड़ान योजना लाकर यह सोच व्यक्त की कि देश का आम नागरिक भी हवाई यात्रा कर सके।

मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास

कैथल के गांव सांपन खेड़ी में 20 एकड़ भूमि पर 950 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले भगवान परशुराम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के निर्माण कार्य का भूमि पूजन करके मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस महाविद्यालय में एमबीबीएस की 100 सीटें होगी और 500 बैड का अस्पताल बनेगा। इस प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य आगामी 30 माह में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
स्टाफ राइटर : संगीता शर्मा
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

जलापूर्ति व सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के दृष्टिगत 15 जिलों में 1,018 करोड़ रुपए की लागत की 30 जल आपूर्ति परियोजनाएं और 283 करोड़ रुपए की लागत से 9 सीवरेज परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी।

लोक रंगमंच सांग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पंडित लख्मीचंद की प्रणाली के सांगी वेद प्रकाश अत्री को श्री धनपत सिंह सांगी लाईफटाईम अचीवमेंट अवार्ड दिये जाने की घोषणा की गई है।

पदक विजेताओं पर धन वर्षा

संगीता शर्मा

चीन में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों को हरियाणा सरकार ने सम्मानित किया है। करनाल में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उनको सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को 1.5 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों को 75 लाख रुपए नगद पुरस्कार, प्रशंसा पत्र और नौकरी का ऑफर लेटर देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की खान-पान संस्कृति के अनुरूप इन विजेता खिलाड़ियों को एक-एक देसी घी का टीन (पीपा) भी दिया जाएगा। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी और भविष्य में खेल प्रतियोगिताओं में जीत की कामना की।

महत्वपूर्ण घोषणाएंः मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। शूटिंग में खिलाड़ियों को बढ़ावा देने हेतु राज्य सरकार द्वारा जिला झज्जर के गांव निमाना तथा पंचकूला के सेक्टर-32 में शूटिंग रेंज स्थापित की जाएगी। जिला यमुनानगर के तेजली स्टेडियम में और फरीदाबाद के डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 2 तीरंदाजी के केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे।

गांवों व शहरों में जो स्थानीय खेल आयोजित किए जाते हैं, उन खेलों के दौरान विभिन्न उपकरणों की मांग आती है, इसके लिए सरकार ने नीति बनाई है, जिसके तहत सभी खेलों के उपकरणों को सरकार मुहैया करवाएगी। उन्होंने कहा कि जो खेल राष्ट्रीय खेलों की सूची में शामिल नहीं हैं, ऐसे छोटे व स्थानीय खेलों की अन्य एसोसिएशन को भी इनाम के दायरे में लाने का सरकार काम कर रही है।

म्हारा हरियाणा धाक्कड़

हरियाणा का किसान, जवान और पहलवान धाक्कड़ है, इसलिए म्हारा हरियाणा धाक्कड़ है। राज्य स्तरीय सम्मान समारोह केवल सम्मान तक सहमत नहीं है, बल्कि यह गर्व और आभार का भी कार्यक्रम है। हमें गर्व है कि खेलों की दुनिया में हरियाणा ने अपना अनूठा स्थान बनाया है। देश व विदेश में खेले जाने वाले खेलों में हरियाणा की भागीदारी औसतन 30-40 प्रतिशत मेडल की रहती है। इसलिए हमें अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। साथ ही, खिलाड़ियों के अभिभावक और कोच का आभार, जिन्होंने इनका सहयोग किया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। 19वें एशियाई खेलों में हरियाणा के लगभग 80 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और उन्होंने 30 मेडल हासिल किए हैं और कुल मेडलिस्ट की संख्या 44 है।

-मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा

10 खेलो इंडिया केंद्र

मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया योजना के तहत हरियाणा में 10 खेलो इंडिया केंद्रों का उद्घाटन किया। ये केंद्र जिला अंबाला, फरीदाबाद, पलवल, यमुनानगर, जींद, झज्जर, चरखी दादरी, कुरुक्षेत्र, कैथल और भिवानी में स्थापित किए गए हैं।

मनोहर लाल ने कहा कि केंद्रीय खेल मंत्रालय की ओर से हरियाणा के लिए 15 खेलो इंडिया केंद्रों की मंजूरी मिली है, जिनमें से 10 केंद्रों का आज उद्घाटन किया गया है और 5 और केंद्र भी अगले वर्ष स्थापित किए जाएंगे। ये 5 केंद्र हिसार, सिरसा, नूंह, सोनीपत और करनाल में खोले जाएंगे।

हरियाणा में ई-संजीवनी ओपीडी की सेवाएं 16 अगस्त, 2021 से 24 घंटे उपलब्ध कराई जा रही हैं। ई-संजीवनी ओपीडी के माध्यम से 1 लाख 2 हजार परामर्श दिए जा चुके हैं।

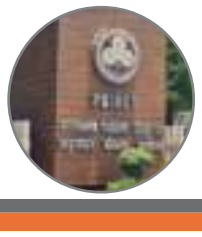

पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ की सांझेदारी में एक स्पेशलिस्ट हब और एक सुपर स्पेशलिस्ट हब शुरू किये गये हैं। इसके माध्यम से सिविल अस्पतालों के जरिए लगभग 2 लाख 50 हजार टेली- परामर्श प्राप्त हो चुके हैं।

प्रगति के पथ पर

मनोहर सरकार का नौ साल का कार्यकाल जनता के प्रति समर्पित रहा है। 27 अक्टूबर 2023 को सरकार के सफल नौ वर्ष पूरे हुए। इस कार्य अवधि में प्रदेश का चहुंमुखी विकास हुआ। बहुत सी अप्रासंगिक नीतियों को हटाया गया तथा बहुत सी नई नीतियों को स्थापित किया गया। बहुत सी परिपाटी तो ऐसी स्थापित की गई हैं जो प्रगति की राह में मील का पत्थर साबित होंगी।

मनोज प्रभाकर

सरकारी कामकाज के ऑनलाइन होने से ने केवल प्रशासनिक व्यवस्था बेहतर हुई है बल्कि प्रदेश के लोगों का जीवन सहज व सरल भी हुआ है। भ्रष्टाचार के सभी दरवाजों को पूर्णतया बंद किया गया। जो लोग पुरानी व्यवस्था से निराश हो चुके थे उनको अवसर देने व आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया जिसके अप्रत्याशित परिणाम सामने आ रहे हैं।

नौकरियों में काबिलियत को मूल आधार मानकर आगे बढ़ा गया तो युवाओं में आशा की नई किरण प्रस्फुटित होने लगी। आज उसका परिणाम यह है कि प्रदेश का युवा वर्ग हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। उनके दम पर हरियाणा राज्य भी राष्ट्रीय स्तर पर उन्नत प्रदेश की श्रेणी में स्थापित हो गया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल स्पष्टवादी हैं। वे इधर-उधर की बात नहीं करते। संकल्प को मूर्तरूप देने में विश्वास रखते हैं। सदैव सत्य बोलने वाले मनोहर लाल में शायद आत्मविश्वास यहीं से आता है। वे सही को सही, और गलत को गलत कहने का मादा रखते हैं। न केवल रखते हैं, बल्कि प्रतिबद्धता के साथ उस दिशा में काम करने की कुव्वत भी रखते हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल 'हरियाणवी गौरव' की भावना को प्रगाढ़ करने में सफल रहे हैं। उनकी सरकार की कई नीतियों की देश भर में सराहना हुई है। न केवल सराहा गया है बल्कि उन्हें वहां पर लागू भी किया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी भी हरियाणा की कई सफल नीतियों से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल को शाबाशी दे चुके हैं।

मनोहर लाल कहते हैं उनकी सरकार की नौंवी वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर उन्हें यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना के अनुरूप कार्य किया है। कुछेक क्षेत्रों में तो लक्ष्य से भी आगे बढ़ा गया है।

लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए मनोहर सरकार द्वारा अनेक पहल की गई हैं। 'परिवार पहचान पत्र' के माध्यम से परिवारों को नई पहचान मिली है तथा इसके जरिए सभी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। नकदी का ऑनलाइन हस्तांतरण आम हो गया है। 'डायल 112' योजना कारगर साबित हो रही है। मेरा पानी मेरी विरासत, भावांतर भरपाई योजना, म्हारा गांव-जगमग गांव एवं मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजनाएं काफी लोकप्रिय साबित हुई हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल केवल योजनाओं के सृजन पर भरोसा नहीं करते बल्कि उन्हें धरातल पर पूर्ण होते हुए देखने में विश्वास रखते हैं। इसलिए उन्होंने जन संवाद व अन्य कार्यक्रमों के जरिए प्रदेश के लोगों के पास खुद पहुंचने की योजना बनाई, जो कामयाब रही है। वे लोगों के बीच जाते हैं और भावनात्मक जुड़ाव के जरिए वस्तुस्थिति को जांचते हैं। उनका मकसद है प्रदेश के किसी कोने में कोई भी सामाजिक इकाई ऐसी न छूट जाए जो राजकीय योजनाओं एवं सेवाओं से वंचित रहे। वे चाहते हैं सभी आत्मनिर्भर हों तथा सामाजिक लिहाज से गौरव का जीवन जीयें।

हरियाणा सरकार किसानों को 14 फसलों पर एमएसपी दे रही है जो पूरे देश में रिकॉर्ड है। इतना ही नहीं खरीदी गई फसल का भुगतान 72 के अंदर कर दिया जाता है। वर्ष 2014 में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1400 रुपए प्रति क्विंटल था जिसे बढ़ाकर अब यानी 2023 में 2275 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। इसी प्रकार धान का एमएसपी 1400 रुपए से 2203 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है।

'मेरा पानी- मेरी विरासत' योजना के तहत किसानों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कम पानी में उगने वाली फसलें लगाने पर 17,500 रुपए प्रति हेक्टेयर का प्रावधान किया गया है।

सामाजिक कल्याण

सामाजिक कल्याण का दायरा बढ़ाया गया है। जरूरतमंद परिवारों को ध्यान में रखते हुए अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं उतारी गई हैं। कोई परिवार स्वयं को कमजोर न समझे इसका ख्याल रखा गया है। बुढ़ापा पेंशन की उपलब्धता कतई आसान की गई है। हर माह उनके खाते में पेंशन पहुंच जाती है। वर्ष 2014 में जो सम्मान भत्ता 1000 रुपए था आज 2023 में 2750 रुपए है। बुजुर्गों को परिवार में खूब सम्मान के साथ देखा जाता है।

पेंशन योजना में विधवा के अलावा बौने, किन्नर और विधुर शामिल गए हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही में एक कार्यक्रम में संकेत दिये हैं कि जल्द ही पेंशन 3000 रुपए प्रति माह की जाएगी।

अंतरजातीय विवाह के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को बढ़ाया गया है। इसके अलावा कन्याओं की शादी पर तक 31,000 रुपये से बढ़ाकर 71,000 रुपए तक शगुन राशि का भी प्रावधान किया गया है। अकुशल श्रमिक के लिए न्यूनतम वेतन 5,639 रुपए से बढ़ाते हुए 10,661 रुपए और अर्ध-कुशल श्रमिक के लिए 5,769 रुपए से 11,194 रुपए किया गया है। पंजीकृत श्रमिक की पुत्री के विवाह पर दी जाने वाली धनराशि 51,000 रुपए से बढ़ाकर 1.01 लाख रुपए की गई है। जिला परिषद, पंचायत समिति अध्यक्ष एवं सरपंच का मानदेय बढ़ाया गया है।

शिक्षा

शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा सरकार की ओर से निरंतर उत्कृष्ट पहल की गई हैं। जिनका परिणाम यह है इन दिनों निजी शिक्षण संस्थाओं की तुलना में राजकीय संस्थाओं की परीक्षाओं का परिणाम बेहतर आ रहा है। शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है तथा युवाओं को इस बारे में प्रोत्साहित किया गया कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए मन से पढ़ाई अति आवश्यक है। योग्यता के आधार पर नौकरी की नीति से शिक्षण संस्थाओं व कोचिंग सेंटरों में युवा खूब पढ़ाई कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने व रोजगारपरक शिक्षा के लिए कई पहलें की हैं। बचपन से ही खेल-खेल में शिक्षा प्रदान करने के लिए 4000 प्ले वे स्कूल खोले हैं, जिन्हें अब बाल वाटिका के नाम से जाना जाएगा।

वर्ष 2014 में प्रदेश में 43 विश्वविद्यालय थे, जो आज बढ़कर 56 हो गए हैं। राजकीय महाविद्यालय 105 थे, जो आज 182, राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी संस्कृति विद्यालय 13 थे, जो आज 147 हो गए हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने 1419 प्राइमरी राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय खोले हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को समृद्ध किया गया है ताकि चिकित्सा से संबंधित कोई भी परेशानी भविष्य में तंग न करे। राज्य की मनोहर सरकार सबको अच्छा स्वास्थ्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। आयुष्मान योजना के तहत प्रदेश के सभी राजकीय चिकित्सा संस्थान पैनल्ड किए गए हैं। सर्जरी के अलावा दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

वर्तमान में प्रदेश में 72 सरकारी अस्पताल, 534 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), 122 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और 813 आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी इकाइयाँ सेवारत हैं। इनके अलावा एमबीबीएस की 2185 सीटों के साथ 15 मेडिकल कॉलेज व उनमें 1006 पीजी सीटें की गई हैं।

प्रदेश में मुख्यमंत्री मुफ्त इलाज योजना के तहत 228 प्रकार के ऑप्रेशन, 70 प्रकार के टेस्ट और 21 प्रकार की दंत चिकित्सा मुफ्त की जाती हैं। साथ ही, 500 दवाइयां भी मुफ्त दी जाती हैं।

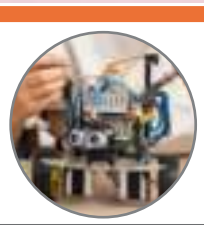

प्रदेश के 354 सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में आवश्यक कोडिंग और रोबोटिक्स कौशल योजना शुरू की जा रही है जो अगली पीढ़ी में तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देगी।

हरियाणा

जनता के अविश्वास को विश्वास में बदला

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि शासन व्यवस्था की बागडोर जब पहली बार सम्भाली थी, उस समय प्रदेश में निराशा, अविश्वास, कुण्ठा, अवसाद और आक्रोश का माहौल था। भाई-भतीजावाद व क्षेत्रवाद का बोलबाला था। भ्रष्टाचार का नासूर प्रशासन के हर स्तर पर फैला था।

अब यह कहते हुए उन्हें गर्व है कि आज परिस्थितियां बदली हैं। उनकी सरकार ने नेक नीयत और बुलंद इरादों से जनता के अविश्वास को विश्वास में बदला है। व्यवस्था के प्रति आशा की किरण लौट आई है। निराशा के बादल छट चुके हैं। व्यवस्था परिवर्तन होने से जन-आकांक्षाएं फलीभूत हो रही हैं।

निकाय प्रतिनिधियों को दिपावली का तोहफा

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दिपावली के अवसर पर नगर निगम, नगर परिषद व समितियों के सदस्यों के मानदेय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। मेयर को 30,000 रुपए, सीनियर डिप्टी मेयर को 25,000 रुपए, डिप्टी मेयर को 20,000 रुपए तथा पाषर्दों के लिए मानदेय 15,000 रुपए किया गया है। नगर परिषद अध्यक्ष का मानदेय 18,000 रुपए, उपाध्यक्ष का मानदेय 12,000 रुपए, पार्षदों का मानदेय 12,000 रुपए किया गया है। नगर समितियों के अध्यक्ष का मानदेय 10,000 रुपए, उपाध्यक्ष का मानदेय 8,000 रुपए तथा पार्षदों का मानदेय 8,000 रुपए किया गया है।

जिला परिषद के अध्यक्षों का मानदेय 20,000 रुपए, उपाध्यक्ष का मानदेय 15,000 रुपए और सदस्यों का मानदेय 6,000 रुपए किया गया है। पंचायत समिति के अध्यक्षों का मानदेय बढ़ाकर 15,000 रुपए, उपाध्यक्ष का मानदेय 7,000 रुपए तथा सदस्यों का मानदेय 3,000 रुपए किया गया है। बढ़ा हुआ मानदेय 1 अक्तूबर, 2023 से दिया जाएगा।

हिंदी आंदोलन-1957 के मातृभाषा सत्याग्रहियों व आपातकालीन पीड़ितों के लिए 15 हजार रुपए पेंशन की गई है।

योजनाएं जिनसे बढ़ा विश्वास

मनोहर लाल ने कहा कि यूं तो बदलाव के लिए अनेक कार्य हुए हैं लेकिन मुख्य कार्यों पर गौर किया जाए तो उनमें कुछ इस प्रकार हैं।

परिवार पहचान पत्र बनाकर प्रभावी तरीके से घर बैठे 45 लाख परिवारों को 397 योजनाओं व सेवाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। आज अन्य राज्य हमारी परिवार पहचान पत्र योजना का अनुसरण कर रहे हैं। सरकार ने बी.पी.एल. की वार्षिक आय सीमा एक लाख 20 लाख रुपए से बढ़ाकर एक लाख 80 लाख रुपए कर अधिक से अधिक परिवारों को योजनाओं के लाभ के दायरे में लेकर आए हैं।

मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल किसानों के लिए कल्याणकारी साबित हुआ है। सरकार ने डीबीटी के माध्यम से 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 85 हजार करोड़ रुपए डाले हैं। चिरायु/आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश के 30 लाख परिवारों को 5 लाख रुपए तक का सालाना मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत गांवों में लाल डोरा के भीतर 25 लाख से अधिक परिवारों को मालिकाना हक देने का काम किया है। इतना ही नहीं, हर ग्रामीण घर (31.41 लाख) में नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाया है और 5791 (86 प्रतिशत) गांवों में 24 घंटे बिजली दी जा रही है। शिक्षा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए ई-लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्कूलों के बच्चों को 5.50 लाख टेबलेट्स निःशुल्क वितरित किए गए हैं। विकास की दृष्टि से आज हरियाणा का हर जिला नेशनल हाइवे से जुड़ा है और हिसार व अंबाला में दो नये नागरिक हवाई अड्डे बन रहे हैं।

व्यवस्था परिवर्तन से सुशासन

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सुशासन की नई पहलों से प्रदेश के नागरिकों में यह विश्वास पैदा किया है कि सरकार उनकी है और वे सरकार के हैं। हमने अंत्योदय सरल पोर्टल के माध्यम से 54 विभागों की 675 योजनाएं और सेवाओं को ऑनलाइन किया है। जनता की पहुंच सीधे सरकार तक हो इसके लिए सी.एम. विंडो की शुरुआत की और 11 लाख शिकायतों का समाधान किया गया। डीबीटी का उपयोग कर 141 योजनाओं के 36.75 लाख नकली अथवा दोहरे लाभार्थियों को हटाया गया, जिससे 1182.23 करोड़ रुपए की बचत हुई है।

उन्होंने कहा कि हमने ऑटो अपील सॉफ्टवेयर के माध्यम से 36 विभागों की 404 सेवाएं ऑनलाइन की और 8,93,086 शिकायतों का निपटान किया गया। नागरिकों को हर समय पुलिस सहायता मुहैया करवाने के लिए हरियाणा आपातकालीन हेल्पलाइन सेवा डायल-112 शुरू की और 19,28,563 कॉल्स पर एक्शन लिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-ऑफिस की अवधारणा को ि यान्वित करके सरकारी कामकाज में तेजी लाने का काम किया।

बीज से बाजार तक किसान के साथ खड़ी सरकार

मनोहर लाल ने कहा कि वे स्वयं किसान परिवार से हैं, इसलिए किसानों को समस्याओं को भली भांति समझते हैं। वर्तमान राज्य सरकार ने प्राकृतिक मार पड़ने से फसल नष्ट होने पर किसानों को मिलने वाले मुआवजे की दर में वृद्धि की है। प्राकृतिक आपदा से फसलें नष्ट होने पर प्रति एकड़ मुआवजा जो वर्ष 2014 में 10,000 रुपए प्रति एकड़ था, उसे हमारी सरकार ने बढ़ाकर 15000 रुपये प्रति एकड़ तक किया। परिणास्वरूप प्राकृतिक आपदा से फसलें नष्ट होने पर विगत 9 वर्षों में किसानों को कुल 11,000 करोड़ रुपए मुआवजा दिया जा चुका है। जबकि पिछली सरकार के कार्यकाल में मात्र 1158 करोड़ रुपए ही मुआवजा दिया गया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है। किसान कल्याण के लिए सरकार ने कई पहल की हैं। एम.एस.पी. पर 14 फसलों की खरीद करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश के 19.82 लाख किसानों के खातों में 4287.19 करोड़ रुपए की राशि पहुंची है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से 27.22 लाख किसानों को 7600 करोड़ रुपए के बीमा क्लेम दिया गया है। भावांतर भरपाई योजना के तहत बाजरा व बागवानी किसानों के खातों में 750 करोड़ रुपये डाले गए। दक्षिण हरियाणा के माइनरों में 39 वर्ष बाद तथा सभी टेलों तक हमने पानी पहुंचाने का काम किया। अमृत सरोवर मिशन के तहत 1661 तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया।

चौतरफा हुआ ढांचागत विकास

मनाहेर लाल ने कहा कि विकास की दृष्टि से सरकार नारनौल में 700 मिलियन अमरीकी डालर की लागत से 886 एकड़ क्षेत्र में एकीकृत मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स हब विकसित कर रही है। आई.एम.टी खरखौदा, सोनीपत में मारुति सुजुकी द्वारा 800 एकड़ तथा सुजुकी द्वारा 100 एकड भूमि पर उद्योग स्थापित किया गया है। पी.एम. गति शक्ति योजना के तहत प्रदेश में 6 परियोजनाओं में से 3 परियोजनाएं मंजूर हुई हैं। पानीपत में मेडिकल डिवाइस पार्क व हिसार में ब्लक ड्रग्स पार्क स्थापित किए गए हैं। इनके अलावा, पदमा स्कीम (वन ब्लॉक-वन प्रोडक्ट) के तहत 143 ब्लॉकों में क्लस्टर आधार पर प्रथम चरण में 40 क्लस्टर्स में विकास परियोजनाएं शुरू की गई।

रेलवे ऊपरगामी व भूमिगत पुलों का निर्माण

मनोहर लाल ने कहा कि आज प्रदेश का हर जिला राष्ट्रीय राजमार्ग जुड़ा है। वर्तमान में 8 राजमार्गों का कार्य पूर्ण व 12 का प्रगति पर है। दिल्ली के चारों तरफ यातायात को सुगम करने के लिए कुंडली-मानेसर-पलवल और कुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेस-वे बनाए और उन पर यातायात सुगमता से जारी है। अम्बाला कोटपुतली ग्रीनफील्ड कॉरिडोर (152-डी) 10,646 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण। रोहतक शहर में देश की पहली एलिवेटिड रेलवे लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण और कुरुक्षेत्र में इसी परियोजना पर कार्य शुरू हो गया। कैथल में एलिविटिड लाइन के लिए सर्वे किया जा रहा है। 2577 करोड़ रुपये की लागत से 62 रेलवे ऊपरगामी व भूमिगत पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण तथा 50 पुलों का कार्य प्रगति पर है। वाई.एम.सी.ए. चौक से बल्लभगढ़, बहादुरगढ़-मुंडका (दिल्ली), बदरपुर-मुजेसर (वाईएमसीए चैक) व सिकंदरपुर स्टेशन से सेक्टर-56 तक मैट्रो सेवा शुरू हो गई है।

सरकारी कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी

मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा देते हुए सरकारी कर्मचारियों के डीए में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के डीए में 42 प्रतिशत से 46 प्रतिशत की वृद्धि की है। अब एक जुलाई, 2023 से हरियाणा के लगभग साढ़े 3 लाख कर्मचारियों को भी अतिरिक्त 4 प्रतिशत डीए का लाभ मिलेगा।

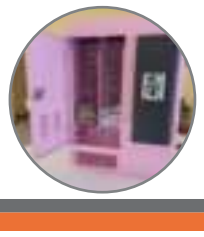

शिक्षा विभाग ने 1,394 स्कूलों में एसपीवीआई मशीनें लगाने के लिए 5.50 करोड़ रुपए से अधिक का बजट रखा है, जो प्रति स्कूल 39,500 रुपए है। ये मशीनें सैनिटरी पैड के वितरण और जिम्मेदारी पूर्ण निपटान को सुविधाजनक बनाएंगी।

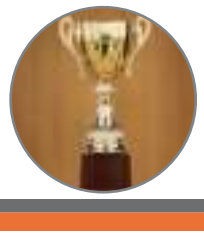

हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाली महिलाओं से राज्य स्तरीय महिला पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक महिलाएं 20 नवंबर तक आवेदन जमा कर सकती हैं।

फसल विविधिकरण

वर्ष 2023-24 में 42480 करोड़ लीटर पानी की बचत का लक्ष्य

विशेष संवाददाता

परंपरागत फसलों की खेती करने की बजाय आज किसानों को आधुनिक फसलों की खेती करने की आवश्यकता है, जिससे उनकी आय में वृद्धि तो होगी ही साथ ही पर्यावरण का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा। फसल विविधिकरण ही किसान का भविष्य है। इसी दिशा में प्रदेश सरकार ने एक नई पहल करते हुए अपनी तरह की अनूठी योजना 'मेरा पानी-मेरी विरासत' शुरू की है, जिसके तहत फसल विविधीकरण अपनाते हुए जल संरक्षण सुनिश्चित करना है। यह योजना बेहद कारगर सिद्ध हो रही है और इसकी सफलता को देखते हुए वर्ष 2023-24 में 42480 करोड़ लीटर पानी की बचत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि खरीफ-2020 से आरंभ हुई मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के तहत सरकार द्वारा धान की फसल को वैकल्पिक फसलों जैसे मक्का, कपास, बाजरा, दलहन, सब्जियां व फल द्वारा विविधिकरण करने के लिए किसानों को 7000 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। खरीफ वर्ष 2020 में 41,947 किसानों ने कुल 63,743 एकड़ क्षेत्र में फसल विविधिकरण को अपनाया गया तथा इसके लिये 45 करोड़ रुपए का अनुदान प्रदान किया गया। इससे लगभग कुल 22565 करोड़ लीटर पानी की बचत की गई। इसी प्रकार, खरीफ 2023 में पूर्व वर्ष की वैकल्पिक फसलों को इस वर्ष में भी शामिल किया गया है तथा इस योजना में कुल 1.20 लाख एकड़ का फसल विविधिकरण के तहत

लक्ष्य रखा गया है, जिस पर लगभग 84 करोड़ रुपए के अनुदान राशि खर्च होने की सम्भावना है। इस योजना में लगभग कुल 42480 करोड़ लीटर पानी की बचत का लक्ष्य है। 31 जुलाई, 2023 तक कुल 32150 किसानों ने अपनी 70170 एकड़ फसल का इस योजना के तहत पंजीकरण करवाया है।

फायदे का सौदा प्राकृतिक खेती

मृदा स्वास्थ्य को गिरावट से बचाने और खतरनाक कीटनाशकों के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने प्राकृतिक खेती योजना लागू की गई है। वर्ष 2023-24 में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 20,000 एकड़ (16000 एकड़ कृषि और 4000 एकड़ बागवानी) का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सरकार ने एक समर्पित प्राकृतिक खेती पोर्टल शुरू किया है और अब तक 9169 किसानों ने पंजीकरण करते हुए प्राकृतिक खेती में अपनी रूचि दिखाई है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए 3000 रुपये 4 ड्रम खरीदने पर, देसी गाय की खरीद के लिए 25000 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी तथा प्राकृतिक खेती उत्पाद की ब्रांडिंग व पैकेजिंग पर प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया है।

उल्लेखनीय है कि एनएफटीआई, गुरुकुल कुरूक्षेत्र प्रदेश में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण दे रहा है तथा प्राकृतिक खेती बागवानी प्रशिक्षण केन्द्र मांगियाना, सिरसा में 15 अप्रैल, 2023 से प्रशिक्षण शुरू हो गया है। कृषि विभाग अभी तक 9238 प्रतिभागी (129 प्रगतिशील किसान, 611 युवा किसान, 362 महिला किसान, 6234 सरपंच व एक्स सरपंच, 294 बागवानी किसान, 1608 अधिकारी व किसान राज्य/अन्य राज्य इत्यादि को प्रशिक्षण दे चुके है।

धान की सीधी बिजाई

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार ने धान की सीधी बिजाई की योजना शुरू की है। इसके तहत राज्य के 12 जिलों अम्बाला, यमुनानगर, करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पानीपत, जींद, सोनीपत, फतेहाबाद, सिरसा, हिसार तथा रोहतक में धान की सीधी बिजाई (डी.एस.आर) को बढावा देने के लिए प्रदर्शन प्लांट लगाने वाले सत्यापित किसानों को 4,000 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है। वर्ष 2022-23 में 72900 एकड़ का भौतिक सत्यापन किया गया। इसके अंतर्गत 29.16 करोड़ रुपए किसानों को आबंटित किये गए हैं। इसके अलावा, खरीफ 2023 के लिए 2 लाख एकड़ का लक्ष्य रखा गया है।

पानी की एक-एक बूंद के उपयोग का संकल्प

उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग करने के लिए कार्य योजना

हरियाणा में वर्तमान और भविष्य की पानी की ज़रूरतों की पूर्ति हेतु जल की उपलब्धता व मांग को पूरा करने के लिए मनोहर सरकार बेहद गंभीर है। इस दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने तेजी से घटते जल संसाधनों को ध्यान में रखते हुए उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग नीति को अधिसूचित किया। इसके तहत सीवरेज के पानी को शुद्ध करके इसकी एक-एक बूंद का उपयोग थर्मल प्लांट, उद्योग, निर्माण, बागवानी और सिंचाई उद्देश्यों आदि में विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सिंचाई एवं जल संरक्षण विभाग ने 500 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत की परियोजना तैयार की है। पहले चरण में 339.50 एमएलडी की क्षमता वाले 27 एसटीपी को कवर करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, तीन एसटीपी प्लांट जिसमें लाडवा में 7 एमएलडी, पिहोवा में 8 एमएलडी, और शाहबाद में 11.50 एमलडी के लिए सीवर के शोधित पानी का सिंचाई व कृषि उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा रहा है।

उपचारित अपशिष्ट जल का होगा उपयोग

ट्रीटेड वेस्ट वाटर के प्रभावी उपयोग के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, शहरी स्थानीय निकाय, सिंचाई एवं जल संसाधन और एचएसआईआईडीसी द्वारा बनाई गई संपत्तियों को पूल करने के लिए एक संयुक्त रणनीति विकसित की गई है। वर्तमान में इन विभागों द्वारा 176 एसटीपी / सीईटीपी बनाए गए हैं, जो 2104.30 एमएलडी गंदे पानी का उपचार करने में सक्षम हैं, जिसमें से 1429.38 एमएलडी उत्पन्न हो रहा है। वर्तमान में 199.24 एमएलडी शोधित पानी का उपयोग अन्य कार्यों के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा, मार्च 2025 तक 975.12 (उत्पन्न ट्रीटेड वेस्ट वाटर का 56.69 प्रतिशत) एमएलडी उपचारित अपशिष्ट जल और दिसंबर 2028 तक 1100.84 एमएलडी का उपयोग करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। हालांकि, दिसंबर, 2028 तक शोधित जल का शत-प्रतिशत उपयोग सिंचाई व अन्य कार्यों के लिए करने का लक्ष्य है।

पेयजल आपूर्ति उपलब्ध

महाग्राम योजना के अन्तर्गत 30 बड़े गांवों में 135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक पेयजल आपूर्ति के लिए पेयजल स्त्रोतों में बढ़ौतरी तथा इतने ही गांवों में मल निकासी सीवरेज सुविधाएं भी प्रदान करने के लिए कार्य प्रारंभ किए गए हैं। गांव सौतई (फरीदाबाद) नहारपुर (गुरुग्राम), सरस्वती नगर (यमुनानगर), क्योड़क, पाई (कैथल), सिवाह (पानीपत), काछवा (करनाल) व खानपुर कलां (सोनीपत) में महाग्राम योजना की परियोजना चालू कर दी गई है।

नलकूप तथा बूस्टिंग स्टेशन शुरू

वर्तमान राज्य सरकार ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 1,482.70 करोड़ रुपए की लागत से 4,841 नलकूप तथा 1,293 बूस्टिंग स्टेशन शुरू किये गये हैं। इसके अलावा, ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 525.25 करोड़ रुपए की लागत से 294 नहर आधारित तथा 247 नलकूप स्थापित किये गये है। वहीं, 26 अक्तूबर, 2014 से 10 अगस्त, 2023 के दौरान 433.60 करोड़ रुपए की लागत से 72 मल शोधन संयंत्र चालू किये गये हैं तथा 19.60 करोड़ रुपए की लागत से 6 मल शोधन संयंत्र सढोरा, नांगल चौधरी, टोहाना, हिसार, मंडी आदमपुर एवं सीवन के निर्माण कार्य प्रगति पर है।

महाग्राम योजना के तहत 13 नई परियोजनाओं को मंजूरी

हरियाणा सरकार ने राज्य की ग्रामीण आबादी के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए 284 करोड़ रुपए से अधिक की 13 नई परियोजनाओं को लागू करने का निर्णय लिया है। ये परियोजनाएं 'ग्रामीण संवर्धन कार्यक्रम' और 'महाग्राम योजना' के तहत चार जिलों अर्थात हिसार, जींद, सोनीपत और रेवाडी में में लागू होंगी।

'महाग्राम योजना' के तहत स्वीकृत परियोजनाओं में 36.52 करोड़ रुपए की लागत से गांव गंगवा, हिसार में पेयजल योजना, 36.21 करोड़ रुपए की लागत से गांव गंगवा में ही सीवरेज प्रणाली उपलब्ध कराना, 30.95 करोड़ रुपए की लागत से गांव छात्तर, जींद में सीवरेज प्रणाली उपलब्ध कराना, हिसार के गांव सदलपुर में 25.72 करोड़ रुपए की लागत से सीवरेज प्रणाली उपलब्ध कराना, इसी गांव सदलपुर की जलापूर्ति योजना का विस्तार 22.72 करोड़ रुपए की लागत से, गांव खेवड़ा, सोनीपत में 19.86 करोड़ रुपए की लागत से सीवरेज प्रणाली उपलब्ध कराना, गांव छातर, जिला जींद में पेयजल आपूर्ति का विस्तार 18.36 करोड़ रुपए की लागत से, गांव खेवड़ा, सोनीपत में पेयजल आपूर्ति का विस्तार 6.61 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।

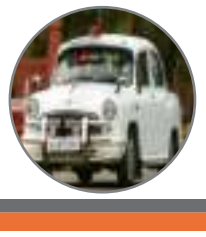

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि अनाधिकृत रूप से लाल, नीली बत्ती तथा सायरन का इस्तेमाल करने वाले लोगों के खिलाफ़ विशेष अभियान चलाते हुए सख़्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आशा वर्कर्स के मानदेय में 2,100 रुपए की बढ़ोतरी कर 6,100 रुपए मासिक और सेवानिवृति पर 2 लाख रुपए की राशि दी जाएगी।

म्हारा हरियाणा-म्हारी संस्कृति

हरियाणा में लोक संगीत की एक समृद्ध परंपरा है जो मुख्य रूप से कृषि और मार्शल पृष्ठभूमि वाले हमारे समाज के सभी वर्गों की जरूरतों को पूरा करती है।

हर महीने, मौसम और हर अवसर के लिए एक गाना है। 'बारा मासा'- बारह महीनों के गीत उत्तर भारत में लगभग हर जगह गाए जाते हैं। आषाढ़ के बादलों का, श्रवण की वर्षा, कार्तिक के दीपों का प्रकाश, माघ की वसंत की कलियों और फाल्गुन के रंगों के त्योहार का वर्णन मिलता है। जहां बच्चों के साथ खेलने के गाने और प्ले में बजने वाले गाने बहुत हैं, वहीं लोरी हमारे समाज में बेहतरीन हैं। विवाह की रस्मों से जुड़े गीतों में उनके बारे में मधुर गुण होते हैं। खेतों में मेहनत करने वाले पुरुषों और गांव के कुएं से पानी लाने वाली महिलाओं से संबंधित बहुत सारे गीत हैं।

नृत्य के साथ आने वाले गीतों के बोल सीधे तौर पर भोले होते हैं और आमतौर पर हरियाणवी लोक धुनों पर आधारित होते हैं। संगीतमय संगत बीन, सारंगी, बांसुरी, शहनाई जैसे वाद्ययंत्रों द्वारा प्रदान की जाती है। लयबद्ध संगत नागर, ढोलक, ताशा, खंजारी इसके चारों ओर घंटियों के साथ डैफ की एक छोटी किस्म), झिल, दाफ और घरौ की है। 'ताला' रूपक, खेरवा और जिसे वे नक्ता दादरा कहते हैं, का रूपांतर है। आवश्यक धड़कन वही है लेकिन स्पर्श अलग है।

रंगमंच

हरियाणा में लोक रंगमंच की परंपरा सदियों पुरानी है, जो 16वीं शताब्दी की है। हरियाणा में रंगमंच को नाट्य नाटक कहा जाता है, जो संगीत, नृत्य, कविता और भाषण का समामेलन है। हिंदू पौराणिक कथाओं में, देवता खुद को सर्वोच्च नर्तक और पौराणिक कथाओं पर आधारित हरियाणा थिएटर के रूप में देखते हैं। हरियाणा नाटक न केवल आनंद के लिए बल्कि नैतिक सत्य को व्यक्त करने के लिए, बल्कि सांस्कृतिक अखंडता को मजबूत करने के लिए भी बनाया गया था।

वास्तव में हरियाणा रंगमंच के कई विषय पौराणिक प्रेम, लोकप्रिय इतिहास और धार्मिक

विषयों और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के विभिन्न रंगों के साथ मिश्रित हैं। हरियाणा स्वांग हरियाणा की पुरानी परंपरा का पालन करता है, इस प्रकार 'ओपन स्टेज' तकनीक पर आधारित प्रदर्शन की सबसे लोकप्रिय किस्म है।

हरियाणा स्वांग ने विभिन्न विषयों का उपयोग करके और उन्हें अपनाकर स्वयं को समृद्ध किया है और सोरथ, पद्मावत, निहालदे, नौटंकी और अन्य जैसे रोमांसों को बहुतायत से अपनाया है। महाकाव्यों पर आधारित ऐतिहासिक और अर्ध-ऐतिहासिक विषय हैं, जैसे कि राजा रिसालु, किचक वध, द्रौपदी चीरहरण, अमर सिंह राठौर, सरवर नीर, जसवंत सिंह आदि। पुराने साहित्य के विषय, जैसे गोपी चंद भृतहरि, राजा भोज हरिश्चंद्र और दूसरों को भी अपनाया जाता है। प्रहलाद भगत जैसे पौराणिक विषय और हीर रांझा, पूरन भगत जैसे पंजाबी रोमांस उन विशाल और व्यापक विषयों का हिस्सा बन गए हैं जिन पर हरियाणवी ग्रामीण रंगमंच संचालित होता है।

लोक संस्कृतियों का जमघटः गीता महोत्सव

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव मुख्य रूप से कुरुक्षेत्र, हरियाणा में मनाया जाता है। त्योहार का स्थान घटना की पवित्रता को जोड़ता है। यह हिंदू कैलेंडर के मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है।

कुरुक्षेत्र वह भूमि है जहां दिव्य गीत 'भगवद् गीता' के बारे में माना जाता है कि यह भगवान कृष्ण ने अर्जुन को दिया था। यह स्थान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रसिद्ध ऋषि मनु ने यहां मनुस्मृति लिखी थी। ऋग्वेद और सामवेद की रचना भी यहीं हुई थी। भगवान कृष्ण के अलावा, गौतम बुद्ध और प्रख्यात सिख गुरुओं जैसे दिव्य व्यक्तित्वों ने इस भूमि का दौरा किया था।

गीता जयंती समारोह के दौरान पूरे भारत से श्रद्धालु और तीर्थयात्री कुरुक्षेत्र में एकत्रित होते हैं। पवित्र सरोवर - सन्निहित सरोवर और ब्रह्म सरोवर के पवित्र जल में स्नान करने के लिए सभी द्वारा पालन किया जाने वाला एक अनुष्ठान है। अनेक गतिविधियों के आयोजन से पूरा वातावरण दिव्य और आध्यात्मिक हो जाता है।

दो सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव को प्रमुख आकर्षणों जैसे श्लोक गायन, नृत्य प्रदर्शन, भगवद् कथा वाचन, भजन, नाटक, पुस्तक प्रदर्शनियों और नि» शुल्क चिकित्सा जांच शिविरों के साथ मनाया जाता है। समारोह का आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड, हरियाणा पर्यटन, जिला प्रशासन, कला और सांस्कृतिक मामलों के विभाग हरियाणा द्वारा किया जाता है।

सूरजकुंड मेला

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला रंगों के छींटे के साथ मनाया जाता है, साथ ही ढोल की ताल की ताल जो फरीदाबाद के सूरजकुंड में भाग लेने पर बहुत खुशी देती है। इस मेले में भारतीय संस्कृति और परंपराओं की अनूठी विविधता शामिल है, जो भारत की ग्रामीण विशेषता को प्रदर्शित करने के लिए बनाई गई हैं।

यह अंतरराष्ट्रीय मेला शिल्प मेले को प्रदर्शित करता है जो भारत के कुछ सबसे उत्सुक हथकरघा के साथ-साथ हस्तशिल्प को प्रदर्शित करता है। इसके अलावा, कोई भी हस्तनिर्मित कपड़े देख सकता है।

यदि आप सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में भाग लेते हैं, तो आपको बहु-व्यंजन फूड कोर्ट भी मिलेंगे, जहाँ दुनिया भर के लोकप्रिय व्यंजन प्रदर्शित किए जाते हैं। आकर्षक लोक प्रदर्शन भी होते हैं जो मनोरंजन के लिए शाम को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेला 2022 का आयोजन सरकार द्वारा किया गया था। हरियाणा के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग ने पर्यटन विभाग के सहयोग से हरियाणा लोक नृत्य, लोक संगीत, आर्केस्ट्रा, लोक नाटक, 3 दिवसीय पेंटिंग वर्कशॉप आदि का प्रदर्शन किया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने सघन मिशन इंद्रधनुष 5.ओ टीकाकरण के तीनों चरणों में सफलतापूर्वक शत-प्रतिशत लक्ष्य को हासिल किया है। विभाग द्वारा अभियान के तहत 44,895 गर्भवती महिलाओं और 1,95,268 बच्चों का टीकाकरण किया गया।

आयुष्मान भारत चिरायु योजना के तहत नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं देने में जिला महेंद्रगढ़ प्रदेश में पहले स्थान पर है। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने इस पर महेंद्रगढ़ द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की।

लोक संस्कृति का प्रगतिकाल

मनोज प्रभाकर

हरियाणा की लोक संस्कृति खूब समृद्ध हुई है। 'अमृतकाल' को अगर हरियाणवी लोक संस्कृति का 'प्रगतिकाल' कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। अमेरिका, इंगलैंड, आस्ट्रेलिया व अन्य देशों में जहां-जहां भी हरियाणा के लोग रहते हैं वहां हरियाणवी लोकसंस्कृति से ओतप्रोत गीतों की धमक अक्सर सुनाई देती है। हिंदी फिल्मों में भी हरियाणवी संस्कृति ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं।

कहा जाता है जो समाज अपनी संस्कृति से जुड़ा रहता है उसकी प्रगति को कोई रोक नहीं सकता। हरियाणा में विगत करीब नौ साल की सांस्कृतिक गतिविधियों पर नज़र डाली जाए तो काफी सुखद स्थिति प्रतीत होती है। मनोहर लाल सरकार की ओर से लोकसंस्कृति के विकास के लिए अनेक पहल की गई हैं। खुद मुख्यमंत्री मनोहर लाल कभी तीज-त्यौहार मनाना नहीं भूलते। हाल ही में उन्होंने पानीपत में 'कोथली' कार्यक्रम में महिलाओं की ओर से खूब आशीर्वाद बटोरा था। 'सांझी' उत्सव भी हर साल आयोजित कराया जा रहा है।

लोक कलाकारों के प्रोत्साहन के लिए प्रदेश भर में समय-समय पर छोटे व बड़े कार्यक्रम आयोजित कराए जा रहे हैं। विदेशों से कलाकारों व पर्यटकों को आमंत्रित कर उन्हें हरियाणा की संस्कृति से रू ब रू कराया जा रहा है। विदेशी लोग भी यहां आकर सरसों का साग व बाजरे की रोटी खाकर खूब आनंदित हो जाते हैं। पंचकूला, रोहतक व गुरुग्राम में अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मेलन आयोजित कराए गए जिसमें 30 देशों से करीब 1500 कलाकारों, अधिकारियों व अन्य विदेशी लोगों ने भाग लिया था।

लोक संस्कृति से जुड़ी जो परंपराएं धूल धूसरित सी हो गई थीं वे आज नयापन लिये हैं। लोकजीवन में उत्साह का संचार करने वाली सांग विद्या विलुप्त होने की ओर अग्रसर थी, इस दौरान करीब एक दर्जन सांग पर्टियों

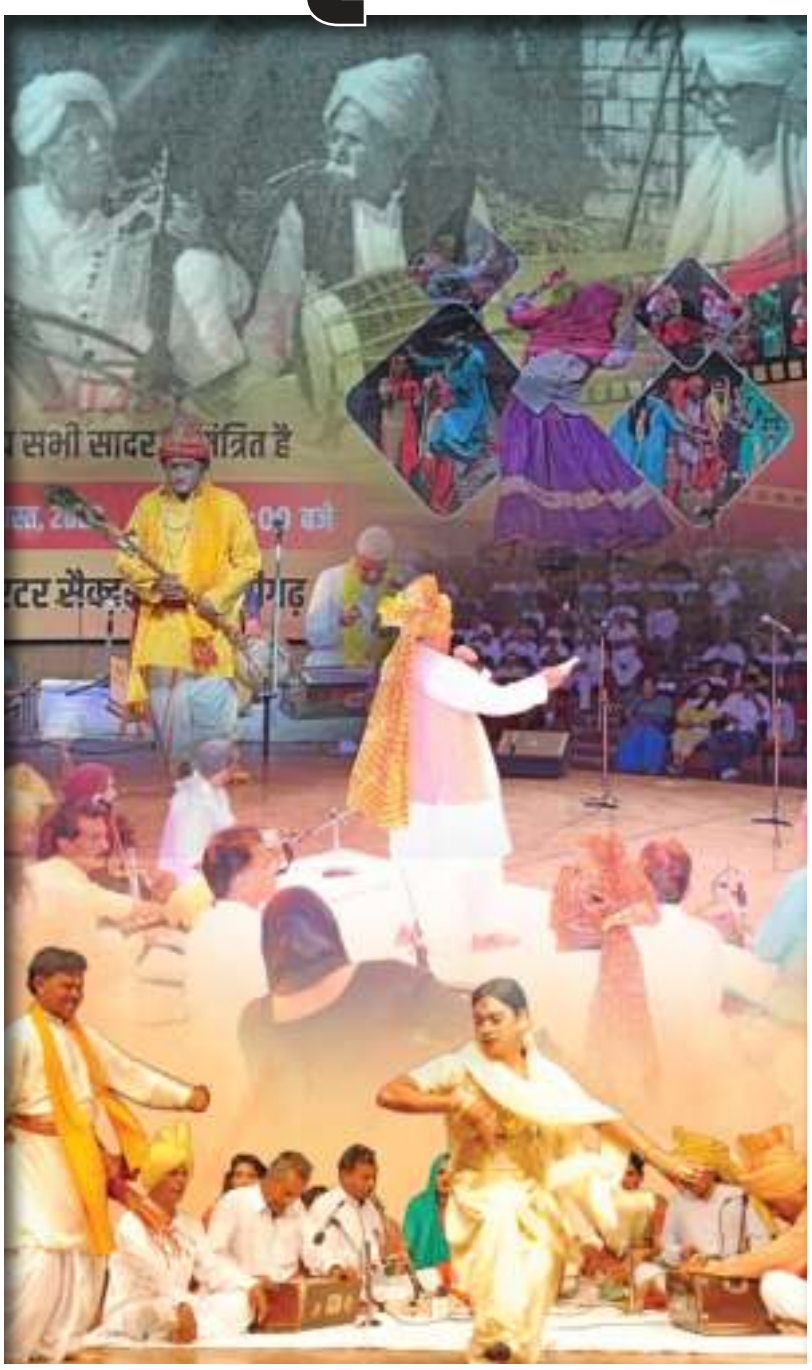

का उद्भव हुआ है। कला एवं संस्कृति विभाग से जुड़े कलाकारों ने भी इस क्षेत्र में खूब रंग जमाया है।

राज्य सरकार की पहल पर संस्कृति विभाग व लख्मीचंद सांस्कृतिक मंच के सहयोग से समय-समय पर सांग का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों में सांग सम्राट लख्मीचंद के पौत्र विष्णुदत्त जाट्टी, धर्मबीर व उनके बेटे सोनू भगाना, सुभाष जोगी, संध्या शर्मा, आजाद सिंह, सूरज बेदी व अन्य पार्टियां सूबे में निरंतर अपने सांग भर रही हैं। इनकी पार्टियों में अभिनय कलाकार एवं नृत्य कलाकारों के अलावा गायकों, ढोलक, तबला, बैंजू, हारमोनियम व अन्य वाद्य यंत्रों के कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। रोजगार की नई राह खुली हैं, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। इनके अलावा राज्य सरकार के प्रोत्साहन पर अनेक रागनी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के जरिए भी अनेक लोक गायकों को अपनी नैसर्गिक प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है।

दिवंगत लोक गायक पालेराम के कई कार्यक्रम लोकप्रिय हुए हैं। उनके अलावा आजाद सिंह खांडा खेड़ी, सत्ते फरमानिया, विकास पासोरिया, रमेश कलावड़िया, अमित मलिक, नरेंद्र खरकराम, अमित दहिया, राजबाला चौधरी, प्रीती चौधरी, शीशपाल, रवि सांपला, सुनील शर्मा ने अपनी गायकी का लोहा मनवाया है। इन सबसे अलग विद्यापालक महाबीर गुड्डू अलग ही अनोखे रंग में सूफी नजर आते हैं।

समाज की विशेष सेवाः

लोक कलाकारों की यादाश्त गज़ब है, जितनी तारीफ की जाए उतनी कम। मन मस्तिष्क में शब्दों का अखुट भंडार व गीत संगीत के प्रति समर्पण ईश्वरीय शक्ति से कम नहीं है। इन अलौकिक प्रतिभाओं को देखते हुए कहा जा सकता है कि भगवान ने इन विभूतियों का समाज की विशेष सेवा के लिए जमीन पर अवतरण कराया है। मंच के ये लोक कलाकार जब अपना तरन्नुम छेड़ते हैं, तो मानो पूरी कायनात सुनने के लिए मौन धारण कर लेती है। इनके भजनों, गीतों अथवा रागनियों में केवल मनोरंजन नहीं होता, एक सबक होता है, सीख होती है, शिक्षा होती है जो सामाजिक जीवन में समरसता घोलने का काम करती हैं। इन शब्दों से पूरी मानव जाति का कल्याण होता है।

पुरस्कार शुरू किएः

'शब्दों' के खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने की अनूठी परंपरा का संवर्धन हुआ है मनोहर सरकार में। आधुनिक युग में संस्कृति के नाम पर जब अनेक प्रकार की विद्रुपता परोसी जा रही है तो ऐसे वक्त में इन लोक कलाकारों का दायित्व बढ़ जाता है। राज्य सरकार मंच प्रदान कर रही है ताकि अपनी संस्कृति को सहेजकर रखा जा सके। सांग को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने 'बाजे भगत' व 'धनपत सिंह' नामक पुरस्कार शुरू किए हैं।

गीता जयंती से उद्घोषः

मनोहर सरकार द्वारा शुरू से ही गीता जयंती समारोह पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कुरुक्षेत्र में प्रति वर्ष लगने वाले महोत्सव में लाखों पर्यटक आ रहे हैं। विगत मेले में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने हरियाणा की पैवेलियन का दौरा किया और खूब प्रशंसा की। यहां पर 'म्हारा गांव' बसाया गया जिसमें गांव की हुबहू तस्वीर पेश की गई। पहला मौका था जब मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने यहां की प्राचीन मान्यता 'दादा खेड़ा' की पूजा अर्चना की। लोक कलाकार गजेंद्र फोगाट ने बताया कि मनोहर सरकार पहली सरकार जिसके कार्यकाल में लोक संस्कृति को भरपूर समर्थन मिला है।

गीता जंयती पर हर वर्ष हरियाणा की ओर से 'वसुधैव कुटुम्बकम' का उद्घोष किया जाता है, जो हम सबके लिए गौरव का विषय है।

सांझी उत्सव
आरता ए आरता सांझी माई आरता

युवा पीढ़ी को हरियाणवीं संस्कृति से परिचित करवाने तथा लुप्त होती हरियाणवीं संस्कृति को बचाने के लिए राज्य स्तरीय सांझी उत्सव-2023 एवं प्रतियोगिता का रोहतक में आयोजन करवाया गया।

राज्य स्तरीय सांझी उत्सव के समापन समारोह में सांझी माई की आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस उत्सव एवं प्रतियोगिता आयोजन 15 से 24 अक्तूबर तक स्थानीय जींद चौक के नजदीक स्थित एंडी स्टूडियो में करवाया गया। इस उत्सव एवं प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से ग्रामीण महिलाओं, स्कूल व कॉलेज की छात्राओं ने बढ़-चढ□र भाग लिया। राज्य स्तरीय सांझी उत्सव एवं प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 31 हजार रुपए, तृतीय पुरस्कार 21 हजार रुपए तथा दो सांत्वना पुरस्कार 11-11 हजार रुपए से विजेताओं को सम्मानित किया गया।

राज्य स्तरीय सांझी उत्सव के उपलक्ष में 22 से 24 अक्तूबर तक सांझी के गीत व नृत्य प्रस्तुत किये गए, जिसमें प्रदेशभर से लगभग 200 महिलाओं ने भाग लिया।

इन्हें मिले पुरस्कार

राज्य स्तरीय सांझी उत्सव एवं प्रतियोगिता में रोहतक की मंजू को प्रथम पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपए, संगीता को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 31 हजार रुपये, स्नेह ढुल को तीसरे पुरस्कार के लिए 21 हजार रुपए, रेखा को चौथे पुरस्कार के लिए 11 हजार रुपए तथा जींद की सुनीत रानी को पांचवे पुरस्कार के तहत 11 हजार रुपए के नकद ईनाम दिये गए। प्रोत्साहन पुरस्कार के तहत झज्जर की अंजली व शीलम, रोहतक की इन्दु भावना, पंचकुला की अमिता ढांडा, सोनीपत की सीता एवं सुमन को 5100-5100 रुपए की नकद राशि से सम्मानित किया गया।

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com